रात्री क्लास   ओम शान्ति   22-10-67

बाप बैठ बच्चों को समझाते है। फीलिंग भी उन्हीं को आती है जो इस आदि सनातन देवी देवता धर्म के है।
मैसेज सब को देना है। पहले तो यह समझाओ कि तुम सब ब्रदर्स हो। कोई आते है कहते है चीनी हिन्दू
भाई 2। परन्तु अर्थ नहीं समझते कि हम आत्मायें सब भाई भाई है। तुम तो अच्छी रीत जानते हो। तुम
जो कुछ कहते हो समझ कर। वो हैं बेसमझ। हम सब भाई भाई कैसे है। कोई समझते नहीं। हम सब आत्माओं
का बाप एक है। बाप से जरूर वर्सा मिलता होगा। यह तो नेचरल क्लैमिटी है। प्रदर्शनी व म्यूज़ियम में यह
समझाना कठिन होता है। वो तो एकान्त में समझाना पड़े। पहली बात है कि बाप का परिचय देना है।
रचता और रचना को कोई नहीं जानते। यह भी वण्डर है। तुम बच्चों को भी बाप ने परिचय दिया है। कितने
लाखों आये उनसे तुम कितने थोड़े निकले हो। प्रदर्शनी से भी कोई निकलते है इसमें भी ख्याल न करना
चाहिये। ड्रामा अनुसार जो होना है फिकर की बात नहीं। दिल को रिंज नही होना चाहिये। बाप दादा दोनों बैठे
बैठे है। ड्रामा के पटे पर हीं रहना है। बाबा लिख देते है कल्प पहले भी हुआ था। कोई उठते है, कोई
छोड़ कर बैठते है। कोई हंगामा करते है, समाचार सुना। फिर समझते ड्रामा अनुसार हुआ। बच्चों को पुरुषार्थ करना
है। बाप बैठे हीं है पुरुषार्थ कराने। दिल में यह बात है जिस कारण ये फिकर रहते है। ड्रामा अनुसार कोई अपन
में नहीं बनती है। माया विघ्न तो डालेगी न। आगे चल ठीक समझ जायेगे। बाप अपना अनुभव सुनाते है
सारा दिन क्या करते है। अंदर में सदैव खुश रहना चाहिये। अब सेंटर भी बड़ा खोलते है। बड़ा होगा तो
बड़े आदमी आयेंगे। बाप है गरीब निवाज़। परन्तु जब बड़े का आवाज होंगे तो छोटे भी आ जाये। इसलिए
तुम बड़े 2 का ओपनींग आद दिखाते हो। बहुत हों तब आवाज भी हो। बाबा कहते भी है शाहुकार इतना
उठायेंगे नहीं। बाप कहते भी है प्रदर्शनी खोलते हो तो बाप जो कहते हैं वह मानना चाहिए ना।
प्रुफ आद जो बनावाते हो उनकी कापी निकलवाये आलबम बनवाना चाहिए राजाई स्थापन में
मेहनत लगती है। प्रजा ढेर बन रही है। कोटों में कोऊ ही निकलते हैं। बाप है ही गरीब निवाज़। यहां के
करोड़पति समझते हैं हमारे लिए यहां ही स्वर्ग है। बहुत पैसे वाले बन गये हैं। गरीब मातायें अबलायें हैं ना।
कैसे 2 आते हैं बात मत पूछो। बाबा जानते हैं यह तो बहुत धनवान बननी है। 8 आना भी भेज देते हैं।
बस बाप आप की याद कायम रहे। यह कृपा करो। बाबा कृपा तो कर नही सकते। मेहनत करो। तुम्हारा बाप
है ना। शिव बाबा के तुम आत्मायें बच्चे हो। बाप सिर्फ कहते हैं मुझे याद करो तो तुम विश्व के मालिक बन
जावेंगे। प्रजा भी विश्व के मालिक हैं ना। अमेरिका के रहवासी कितने खुश रहते हैं। अपने 2 देश के मा
हर एक अपन को समझते हैं। तुम समझते हो अभी हम सब से बड़े बनते हैं। स्टार्स आद में जाते
है यह तो कुछ भी मिलता नहीं, सब खोते ही हैं। तुम बच्चों को तो अथाह खुशी रहनी चाहिए।
कमाई तो हमारी है। हम सब से धनवान रहेंगे। ल0 ना0 का चित्र सामने कर दो। हम भारत की सेवा करते
हैं। श्रीमत पर राजयोग सिखलाते हैं। बाप कहते हैं मामेकं याद करो। तो तुम सतोप्रधान दुनिया के मालिक बन
जावेंगे। विनाश सामने खड़ा है। हम अपना राज भाग पा रहे हैं। हमारी जैसी कमाई कोई कर न सके।
तुम जानते हो मनुष्य जो कुछ करते वर्थ नाट अपेनी बनने लिए। हम बाबा से विश्व के मालिक बनते हैं।
यह हमको सारी दुनिया का सपाया कर के देते हैं। बाकि ऐसे नहीं शंकर किसको बोलते हैं यह करो। ड्रामा
बना हुआ है। सब समस्या पुरी हो जावेंगी। बाकि हम अपनी बादशाही में रहेंगे। तुम बच्चों को खुशी बेहद
की होनी चाहिए। दिल चस्पी से इस सर्विस में लग जाना चाहिए। सर्विस ही सर्विस। हम सब के सच्चे
मित्र है ईश्वर सब का मित्र है। तब तो उनको बुलाते हैं ना। बाबा कहते है तुम बच्चे हो। तुम हर 50
वर्ष बाद भारत को ऐसा बनाते हो फिकर की कोई बात ही नहीं। कितनी भी बातें सुनता हूं। फि
भी कहता हूं इनकी तकदीर में माया के विघ्न हैं। अच्छे 2 बच्चों पर माया के विघ्न आते हैं। आते 2 अप

22-10-67

अपन को विघन है दूर करते रहेंगे। बाबा जानते हैं इस समय तक जो पास हुआ बिल्कुल अच्छा। आगे के लिये पुरुषार्थ करते रहते है। अच्छा वीं होने का है कल्प 2। समझाते है कोई हो जो युक्ति से काम करे जिसमे पैसे आद का नुकसान न हो। बच्चों के पैसे है। अच्छा सेन्टर खुल जावेगा। बड़े कैपिटल में घेरा डाला तो आवाज हो जावेगा। रेख देख कर कायदे में लाये समाचार देना है। बाबा डायरेक्शन देगें सब जाकर मदद करो छुट्टी ले लो। 15-20 दिन तो लग जाओ सर्विस में। आप हीं सर्विस में लगेंगें। बैठ गया तो नाम बदनाम कर देगें। थोड़े दिन जसमानी सर्विस से छुट्टी कर लो। अच्छा सेन्टर खोलते है कोई अच्छे एक दो बिमार हो जाते है। बाबा को थोड़ा ही फिकर होगा? कोई न कोई को भेज देंगे। परन्तु सब हो हो सकता है। मुख्य चित्र हैं हीं यह (लक्ष्मी नारायण) हम भारत को फिर से बना रहे है। जो कुछ समय बीतता है नथिंग न्यू खुशी रहती है। ऐसे ऐसे बच्चे कब घुटका न खावेंगे। बाबा इशारा लिख देगें। कोई समझ जाते है। कोई पर ग्राह चारी बै्ठ जाती है। बाबा समझाते है बच्चे कैरेक्टर भी सुधारनी है। आखे है धोखा देने वाली। कब भी तुम बच्चे फिकर में न रहो। फिर ऐसा कर्त्तव्य विकर्म न करो जो खुद को भी लज्जा आये। बाप को भी घृणा आवे। तुम्हारी आखे कितना क्रिमनल काम करती है। इन आखो से जो कुछ देखते हो समझो यह है नहीं?। हम को तो जाना है वैराग आना है। हीं न चाहिये। तीसरा नेत्र तो मिला है। देखते हुए कुछ भी है नहीं माया फसाने की बहुत कोशिश करेगी। 8-9 वर्ष भी पवित्र रह गिर पड़ते है। माया काला मूहं कर देती है माया एक दम शूट कर देती है। तुम बच्चों को बुध्दि का योग लगाना है एक दम बाबा के साथ। और घर की तरफ। बाबा के पास जल्दी जावेगें तो विकर्म विनाश हो जावेगें? फिर जल्दी हम आये माला का दाना बनेंगे। बच्चों को समय बहुत मिलना है। प्रैक्टिस को बढ़ाना है। जितना बाहर का झंझट कम हो उतना हीं अच्छा है। पैसा क्या करेंगे जास्ती खिड़ौरे में न जाना है। पुत्र पोत्रे तो खावेगें नहीं। तुम्हारे पास पैसे बहुत है। बैंक में जमा कर दो रखोगें तो तुम बच्चों को इस रूहानी धन्धे में लग जाना चाहिये। तीर लगाने की कोशिश करो। हम तो बाप को हीं याद करते है। हम 21 जन्म लिये विश्व के मालिक बनते है। अटेंशन कम देगें तो बड़ा घाटा पड़ जावेगा। पैसे क्या करेगें। तुमको पहले 2 बाण मारना है अपन को आत्मा समझो बाप को याद करो। यह गुप्त बहुत है जिसको भी पता नहीं सिवाय तुम्हारे। इसमे बहुत मेलियर है। याद की यात्रा में मग्न है। सब से जास्ती आखें धोखा देती है। बहुत खराब करती है। हर एक अपने दिल से पूछे तुम हीं बाप से वर्सा ले रहे हो। बाकी तो मनुष्य बिचारे है। ड्रामा बना हुआ है। भगती पूरी होनी है। तब बाप कहते है मैं आता हूं बुलाते भी हो हे पतित पावन आवो। पतित दुनिया पतित शरीर में बुलाते है। तो बाप हीं आये अपना परिचय देते है। इस सृष्टि चक्र में जो मनुष्य पार्ट धारी है वो अपनी रचियता बाप को और चक्र को आद मध्य अन्त को नहीं जानते तो वो ऐडीटर है। वर्थ नाट अपेनी है। खूब अच्छी रीत ठोका भल पड़े। सब जगह खबर हों। सृष्टि का चक्र कैसे फिरता है आद, मध्य अन्त को नहीं जानते तुम्हारे सिवाय कोई बताय न सके। आपदिस बन जाते है। बाप को नहीं जानते वा जो बाप को सर्वव्यापी कह देते नम्बर वन नास्तक है। तुम समझाय सकते हो ऐसी ऐसी बाते भूल जाते है। इस समय के मनुष्य मात्र नास्तक हैं। सतयुग में है हीं आस्तक। धन की कोई बात नहीं। बच्चों को बड़े हुलास में रहना चाहिये। बैज पर समझाओ। अभी तो नर्क है। तुम बाप को याद करो तो स्वर्ग के मालिक बन जावेगे। स्वर्ग कोई कम है क्या। सर्विस की हीं धुन लग रही है। बिल्कुल सिम्पल रहना चाहिये। समझते हो हम बन वास में बैठे है। यह है बेहद का बनवास। दो बाप अब हीं मिलते है ससुर घर भेजने लिये। अच्छा* बाप सारे विश्व के आद, मध्य अन्त का राज़ समझाते है। जिसका कोई को भी पता नहीं है। इस सृष्टि के डेरेक्शन का कोई को भी पता नहीं है। इस ××समझाने में टाईम लगता है। जब तक बाप को न समझा है तो वे तू को कुछ न समझेगे। मुफ्त संशय उठते रहेंगें। ऐसे क्यों शास्त्र तो ऐसे कहते है। गुरु लोग भी तो शास्त्र पढ़े हुए है न! अच्छा मीठे 2 सिकी लधे बच्चों को याद प्यार गुड नाईट।